

# 中國古代禁書





# 中国古代禁书文库

张津同/编

内蒙古人民出版社

责任编辑：冀步良

## 中国古代禁书文库

---

内蒙古人民出版社（呼和浩特市新城西街 20 号）

全国新华书店经销

北京朝阳区飞达印刷厂印刷

开本：850×1168 毫米 1/32<sup>印张：101</sup> 字数：2200 千字

2001 年 10 月第 1 版 2001 年 10 月第 1 次印刷

印数：1—1000 套

---

ISBN 7-204-05973-5/Z·180

定价：980.00 元

## 前　　言

从秦始皇的“焚书坑儒”到清代的“文字狱”，纵观中国历代王朝的禁书史，其禁书原因大约不外两种：一是政治原因，一是思想原因，其中政治原因又占主要地位。从历代所禁图书的内容和过程来看，禁书的历史不仅是一部中国文化政策的更迭演变史，还是一部文化发展史。文化越发达，被禁之书就越多，思想越超前，被禁的书也就越多；文化就在禁——弛——禁的起伏过程中发展。禁书的严格与松弛，往往又反映了各自的时代和统治者自我信心的消长兴衰。禁书少的时代，往往是思想禁锢较少，思想意识较为自由宽松的时代，因而也往往是思想文化光辉灿烂的伟大时代，像汉代和唐代；禁书多的时代，往往是思想禁网严密，少有建树的时代，同时也是统治者严重缺乏自信心的时代，像南宋和清代。这似乎是一条不变的规律。

璀璨文化的吸引、自由意识的呼唤，形成了人们对“禁书”的渴慕。因此，在我们中国，过去一直流行着这么一句话，即“雪夜闭门读禁书”。这句话的字面意思很容易理解，不过，若作进一步分析，则可看出它大致还包含三种意思。一是历史上曾有一些书是禁止公开出版的，但民间仍有人私下收藏或流传；二是这种书偷偷摸摸

地闭门阅读、欣赏，而不能为外界所知道；三是被禁之书都有吸引读者的特别内容，否则，一些人也就不会甘冒一定的危险去偷着阅读。

而中国古代上被禁毁的图书，到现今所知者不下几千种，大部分都因被禁和其自身价值不高而失传，但其中的精华却依然保存了下来。阅读这些禁书，不仅可以让我们了解这些被禁图书本身，更可以让我们了解被禁图书的时代和文化，加深我们对中国历史和中国文化的了解。

《中国古代禁书文库》撷取十五部中国古代各类禁书中的精华，以飨读者。由于篇幅所限，不能使读者将古代禁书一一尽览；另外，限于编者的学识水平，本书的编选仍有不足之处，恳请专家读者不吝指教。

编 者

2001.10

目 录

目

录

自序 ..... (1)

李氏焚书卷之一

|        |      |
|--------|------|
| 书答     | (3)  |
| 答周西岩   | (3)  |
| 答周若庄   | (4)  |
| 与焦弱侯   | (5)  |
| 答邓石阳   | (6)  |
| 又答石阳太守 | (7)  |
| 答李见罗先生 | (8)  |
| 答焦漪园   | (9)  |
| 复丘若泰   | (11) |
| 复邓石阳   | (12) |
| 复周南士   | (15) |
| 答邓明府   | (17) |
| 答耿中丞   | (18) |
| 又答耿中丞  | (19) |
| 与杨定见   | (20) |
| 复京中友朋  | (21) |
| 又答京友   | (23) |
| 复宋太守   | (24) |
| 答耿中丞论淡 | (25) |

|                |      |
|----------------|------|
| 答刘宪长           | (26) |
| 答周友山           | (27) |
| 答周柳塘           | (28) |
| 与耿司寇告别         | (28) |
| 答耿司寇           | (30) |
| 答邓明府           | (39) |
| 复周柳塘           | (42) |
| 寄答耿大中丞         | (43) |
| <b>李氏焚书卷之二</b> |      |
| 书答             | (45) |
| 与庄纯夫           | (45) |
| 复焦弱侯           | (46) |
| 又与焦弱侯          | (48) |
| 复邓鼎石           | (50) |
| 寄答京友           | (51) |
| 与曾中野           | (52) |
| 与曾继泉           | (52) |
| 答刘方伯书          | (53) |
| 答庄纯夫书          | (55) |
| 与周友山书          | (55) |
| 又与周友山书         | (56) |
| 与焦漪园           | (56) |
| 与刘晋川书          | (57) |
| 与友朋书           | (57) |
| 答刘晋川书          | (58) |
| 别刘肖川书          | (58) |
| 答友人书           | (59) |
| 答以女人学道为见短书     | (59) |

## 目 录

|          |      |
|----------|------|
| 复耿侗老书    | (61) |
| 与李惟清     | (61) |
| 与明因      | (62) |
| 与焦弱侯     | (63) |
| 与弱侯      | (64) |
| 与方伯雨束    | (65) |
| 与杨定见     | (65) |
| 与杨凤里     | (66) |
| 又与杨凤里    | (66) |
| 与梅衡湘     | (66) |
| 复麻城人书    | (67) |
| 与河南吴中丞书  | (68) |
| 答陆思山     | (69) |
| 与周友山     | (69) |
| 与友       | (70) |
| 寄京友书     | (70) |
| 与焦弱侯书    | (71) |
| 复士龙悲二母吟  | (72) |
| 复晋川翁书    | (73) |
| 书晋川翁寿卷后  | (74) |
| 会期小启     | (75) |
| 与友人书     | (75) |
| 复顾冲庵翁书   | (77) |
| 又书使通州诗后  | (77) |
| 复澹然大士    | (79) |
| 为黄安二上人三首 | (80) |
| 复李渐老书    | (83) |

李氏焚书卷之三

## 中国古代杂书文库

|          |       |
|----------|-------|
| 杂述       | (84)  |
| 卓吾论略     | (84)  |
| 论政篇      | (87)  |
| 何心隐论     | (89)  |
| 夫妇〔论〕    | (91)  |
| 鬼神论      | (92)  |
| 战国论      | (94)  |
| 兵食论      | (95)  |
| 杂说       | (97)  |
| 童心说      | (98)  |
| 心经提纲     | (100) |
| 四勿说      | (101) |
| 虚实说      | (102) |
| 定林庵记     | (104) |
| 高洁说      | (105) |
| 三蠹记      | (107) |
| 三叛记      | (108) |
| 忠义水浒传序   | (109) |
| 子由解老序    | (110) |
| 高同知奖劝序   | (111) |
| 送郑大姚序    | (113) |
| 李中丞奏议序   | (114) |
| 先行录序     | (116) |
| 时文后序     | (117) |
| 张横渠易说序   | (117) |
| 龙溪先生文录抄序 | (118) |
| 关王告文     | (119) |
| 李中溪先生告文  | (119) |

## 目 录

|                |       |
|----------------|-------|
| 王龙溪先生告文        | (121) |
| 罗近溪先生告文        | (122) |
| 祭无祀文           | (125) |
| 篁山碑文           | (127) |
| 李生十交文          | (128) |
| 自贊             | (129) |
| 贊刘谐            | (130) |
| 方竹图卷文          | (130) |
| 书黄安二上人手册       | (131) |
| 读律肤说           | (132) |
| <b>李氏焚书卷之四</b> |       |
| 杂述             | (133) |
| 解经题            | (133) |
| 书决疑论前          | (134) |
| 解经文            | (135) |
| 念佛答问           | (136) |
| 征途与共后语         | (136) |
| 批下学上达语         | (138) |
| 书方伯雨册叶         | (139) |
| 读若无寄母书         | (139) |
| 耿楚倥先生传         | (140) |
| 附周友山为〔僧〕明玉书法语  | (143) |
| 题关公小像          | (144) |
| 三大士像议          | (144) |
| 代深有告文          | (147) |
| 礼诵药师告文         | (148) |
| 移住上院边厦告文       | (149) |
| 礼诵药师经毕告文       | (150) |

|         |       |
|---------|-------|
| 代常通病僧告文 | (150) |
| 安期告众文   | (151) |
| 告土地文    | (152) |
| 告佛约束偈   | (153) |
| 二十分识    | (154) |
| 因记往事    | (155) |
| 四海      | (156) |
| 八物      | (157) |
| 五死篇     | (162) |
| 伤逝      | (163) |
| 戒众僧     | (163) |
| 六度解     | (164) |
| 观音问     | (165) |
| 豫约      | (174) |
| 寒灯小话    | (185) |
| 玉合      | (189) |
| 昆仑奴     | (190) |
| 拜月      | (191) |
| 红拂      | (191) |

李氏焚书卷之五

|      |       |
|------|-------|
| 读史   | (192) |
| 曹公二首 | (192) |
| 又    | (192) |
| 杨修   | (193) |
| 反骚   | (194) |
| 史记屈原 | (195) |
| 渔父   | (195) |
| 招魂   | (196) |

## 目 录

|        |       |
|--------|-------|
| 诫子诗    | (197) |
| 非有先生论  | (197) |
| 子虚     | (198) |
| 贾谊     | (198) |
| 晁错     | (200) |
| 绝交书    | (201) |
| 养生论    | (201) |
| 琴赋     | (202) |
| 幽愤诗    | (203) |
| 酒德颂    | (204) |
| 思旧赋    | (204) |
| 杨升庵集   | (204) |
| 蜻蛉谣    | (205) |
| 唐贵梅传   | (206) |
| 茶夹铭    | (208) |
| 李白诗题辞  | (208) |
| 伯夷传    | (209) |
| 岳王并施全  | (209) |
| 张千载    | (210) |
| 李涉赠盜   | (210) |
| 封使君    | (211) |
| 宋统似晋   | (211) |
| 逸少经济   | (212) |
| 孔北海    | (212) |
| 经史相为表里 | (212) |
| 钟馗即终葵  | (213) |
| 段善本琵琶  | (213) |
| 樊敏碑后   | (214) |

|                |       |
|----------------|-------|
| 诗画             | (215) |
| 党籍碑            | (215) |
| 无所不佩           | (216) |
| 荀卿李斯吴公         | (216) |
| 宋人讥荀卿          | (217) |
| 季文子三思          | (217) |
| 陈恒弑君           | (218) |
| 王半山            | (218) |
| 为赋而相灌输         | (219) |
| 文公著书           | (219) |
| 闇然堂类纂引         | (220) |
| 朋友篇            | (221) |
| 阿寄传            | (221) |
| 孔明为后主写申韩管子六韬   | (222) |
| <b>李氏焚书卷之六</b> |       |
| 四言长篇           | (225) |
| 读书乐            | (225) |
| 五七言长篇          | (226) |
| 富莫富于常知足        | (226) |
| 九日同袁中夫看菊寄谢主人   | (227) |
| 至日自讼谢主翁        | (227) |
| 朔风谣            | (228) |
| 题绣佛精舍          | (228) |
| 十八罗汉漂海偈        | (228) |
| 十八罗汉游戏偈        | (229) |
| 哭耿子庸           | (229) |
| 五言四句           | (230) |
| 宿吴门            | (230) |

## 目 录

|              |       |
|--------------|-------|
| 同深有上人看梅      | (230) |
| 又观梅          | (230) |
| 郑楼           | (231) |
| 雜发           | (231) |
| 哭貴儿          | (231) |
| 哭黃宜人         | (232) |
| 夜半闻雁         | (232) |
| 庄純夫还閩有忆      | (233) |
| 岁暮过湖南老       | (234) |
| 穉山寺夜坐        | (234) |
| 慰鄭子玄         | (235) |
| 寓武昌郡寄真定劉晉川先生 | (235) |
| 塞上吟          | (236) |
| 賦松梅          | (236) |
| 贈何心隱高第弟子胡時中  | (237) |
| 偈二首答梅中丞      | (237) |
| 怀林答偈附        | (237) |
| 六言四句         | (237) |
| 云中僧舍芍药       | (237) |
| 士龍携二孙同弱候過予解粽 | (238) |
| 七言四句         | (238) |
| 南池二首         | (238) |
| 太白樓          | (239) |
| 恨菊           | (239) |
| 哭陸仲鶴         | (239) |
| 九日坪上         | (240) |
| 除夕道場即事       | (240) |
| 闭关           | (241) |

|              |       |
|--------------|-------|
| 元宵           | (241) |
| 哭怀林          | (241) |
| 晋阳怀古         | (242) |
| 过雁门          | (242) |
| 渡桑间          | (243) |
| 初至云中         | (243) |
| 赠两禅客         | (243) |
| 得上院信         | (243) |
| 重来山房赠马伯时     | (244) |
| 古道通三晋        | (244) |
| 中州第一程        | (244) |
| 咏史           | (244) |
| 却寄           | (245) |
| 喜杨凤里到摄山      | (245) |
| 山中得弱侯下第书     | (246) |
| 同周子观洞龙梅      | (246) |
| 湖上红白梅盛开戏题    | (246) |
| 赠周山人         | (246) |
| 牡丹时          | (247) |
| 五言八句         | (247) |
| 初到石湖         | (247) |
| 春宵燕集得空字      | (247) |
| 中秋刘近城携酒湖上    | (248) |
| 秋前约近城凤里到周子竹园 | (248) |
| 环阳楼晚眺得棋字     | (248) |
| 重过曾家         | (248) |
| 送郑子玄兼寄弱侯     | (249) |
| 丘长孺生日        | (249) |

## 目 录

|                  |       |
|------------------|-------|
| 谒关圣祠             | (249) |
| 观铸关圣提刀跃马像        | (249) |
| 秋怀               | (250) |
| 闲步               | (250) |
| 立春喜常融二(人) [僧]至   | (250) |
| 乾楼晚眺             | (250) |
| 赠利西泰             | (251) |
| 六月访袁中夫摄山         | (251) |
| 薜萝园宴集赠鸥江词伯       | (251) |
| 望东平有感            | (252) |
| 过聊城              | (252) |
| 过武城              | (252) |
| 七言八句             | (252) |
| 自武昌渡江宿大别         | (252) |
| 晓行逢征东将士却寄梅中丞     | (253) |
| 晚过居庸             | (253) |
| 九日至极乐寺闻袁中郎且至因喜而赋 | (253) |
| 元日极乐寺大雨雪         | (253) |
| 雨中塔寺和袁小修韵        | (254) |
| 读羊叔子劝伐吴表         | (254) |
| 读刘禹锡金陵怀古         | (254) |
| 琉璃寺              | (254) |
| 赴京留别云松上人         | (255) |
| 望鲁台礼谒二程祠         | (255) |
| 增补一              |       |
| 答李如真             | (256) |
| 答何克斋尚书           | (257) |
| 与焦从吾             | (258) |

## 中国古代集书文库

|            |       |
|------------|-------|
| 又与从吾       | (259) |
| 又与从吾孝廉     | (260) |
| 复耿中丞       | (261) |
| 答周二鲁       | (262) |
| 答周柳塘       | (263) |
| 寄答留都       | (267) |
| 书常顺手卷呈顾冲庵  | (269) |
| 与管登之书      | (270) |
| <b>增补二</b> |       |
| 复焦弱侯       | (271) |
| 寄答京友       | (274) |
| <b>附录</b>  |       |
| 李氏焚书序      | (276) |
| 李温陵传       | (276) |
| 李氏焚书跋      | (281) |